प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 11 (2019-20)

हिन्दी-ब (कोड-85)

कक्षा-9

निर्धारित समय- 3 घंटे अधिकतम अंक- 80

सामान्य निर्देशः-

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड-क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

योग आध्यात्मिक प्रक्रिया को कहते हैं जिससे शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ा जा सकता है। स्वस्थ तन एवं मन की प्राप्ति हेतु साधना पद्धति है योग। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने योग के बारे में कहा है कि योगः कर्मशुः कौशलम अर्थात् योग से कर्मों में कुशलता आती है। वर्तमान समय में भागदौड़ भरी जिन्दगी में लोग केवल धनोपार्जन में लगे हैं जबकि असली संतोष तो योग में है। योग से ना केवल व्यक्ति का तनाव दूर होता है बल्कि मन और मस्तिष्क को भी शांति मिलती है। योग हमारे दिमाग को तेज और आत्मा को शुद्ध करता है। आत्मकल्याण के लिए मनुष्य को प्रयत्न स्वयं ही करना पड़ेगा। योग कई प्रकार का हो सकता है- हठ योग, कर्म योग, भक्ति योग व क्रिया योग। योग का निरंतर अभ्यास स्वस्थ और तंदुरूस्त बनाता है। हम योग को अपना साथी बनाए तथा सन्मार्ग पर चलने का प्रयास करें।

1. योग किसे कहते हैं? 2
उत्तर : योग आध्यात्मिक प्रक्रिया को कहते हैं जिससे शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ा जा सकता है।
2. भगवान श्री कृष्ण ने योग के बारे में क्या कहा? 2
उत्तर : भगवान श्रीकृष्ण ने योग के बारे में गीता में कहा कि योगः कर्मशुः कौशलम अर्थात् योग से कर्मों में कुशलता आती है।
3. योग हमारे जीवन में किस तरह उपयोगी है? 2
उत्तर : योग से तनाव दूर होता है, दिमाग तेज होता है, शरीर तंदुरूस्त होता है तथा आत्मा शुद्ध होती है।
4. योग के कितने प्रकार है? 2
उत्तर : योग के अनेक प्रकार हैं जैसे हठ योग, कर्म योग, भक्ति योग तथा क्रिया योग।
5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1
उत्तर : योग का महत्त्व

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

एक दो भी नहीं छब्बीस दिए
एक-एक करके जलाए मैंने
हर दीए के साथ उम्मीद लिए
देश के लिए सपने संजोए मैंने
एक दीया आजादी के नाम का
एक दीया खुशहाली के नाम का
एक दीया एकता के नाम का
एक दीया भाईचारे के नाम का
एक दीया मजहब के नाम का
हर आस के लिए जलाए दीए
हवा के झोंको को रोका मैंने
आंगन मेरा झिलमिलाए
हर दीया देश के काम आए

1. कवि ने कितने दीए जलाए। 2
उत्तर : कवि ने छब्बीस दीए जलाए।
2. अपने देश के लिए कवि क्या सपने संजोता है? 2
उत्तर : कवि ने देश की आजादी, खुशहाली, एकता, भाईचारे, एक मजहब की कामना के सपने संजोए।
3. कविता को उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 2
उत्तर : इस कविता के लिए ''उम्मीद के दीए'' शीर्षक उपयुक्त रहेगा।

अथवा

मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या,
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।।
अपने नहीं अभाव मिटा पाया जीवनभर,
पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ
तूफानों-भूचालों की भयप्रद छाया में,
मैं ही अकेला हूँ, जो गा सकता हूँ

मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है
इसमें मुझसे अगणित प्राणी आ जाते हैं
मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है
मैं खंडहर को फिर से महल बना सकता हूँ
जब–जब भी मैंने खंडहर आबाद किए हैं
प्रलय, मेघ, भूचाल देख मुझको शरमाए।
मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या,
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।।

1. 'मेरे 'मै' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है।' काव्य–पंक्ति में 'मैं' कौन है?
उत्तर : 'मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है।'' पंक्ति में 'मैं' मजदूर यानी श्रमिक वर्ग है।
2. 'अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।' –पंक्ति से वक्ता की किस विशेषता का पता चलता है?
उत्तर : 'अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए'। इस पंक्ति से वक्ता की कर्मठता, दृढ़ता आदि विशेषताओं का पता चलता है। इससे पता चलता है कि जब–जब प्रलय, मेघ, भूचालों आदि ने प्राकृतिक आपदाओं से त्राहि–त्राहि मचाई है, तब–तब उनके कारण बने खंडह. रों को मजदूर ने फिर से महलों में परिवर्तित कर दिया। ऐसा उसने व उसके पूर्वजों ने न जाने कितनी बार किया।
3. कविता के नायक के जीवन की विडंबना स्पष्ट कीजिए।
उत्तर : कविता के नायक यानी मजदूर के जीवन की विडंबना यह है कि वह औरों के जीवन के अभावों को अपने श्रम से दूर कर देता है। इसके लिए वह विपरीत परिस्थितियों का सामना भी निडरता के साथ कर लेता है, किंतु उसके अभावों की ओर संपन्न समाज का ध्यान नहीं जाता। इसीलिए दूसरों के अभावों को दूर करने वालों का अपना जीवन अभावों से ग्रस्त रह जाता है।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए।** 2
नीलकंठ, संन्यासी, बेईमान
उत्तर : **नीलकंठ–** न + ई + ल + अ + क + अ + म् + ठ + अ
संन्यासी– स + अ + म् + न + य + आ + स + ई
बेईमान– ब + ए + ई + म् + आ + न् + अ

4.
1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1
बाधकर, सब्जिया, सभाले
उत्तर : **बाधकर–** बाँधकर
सब्जिया– सब्जियाँ
सभाले– सँभाले
2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1
आगतुक, मनोरजन, प्रारभ
उत्तर : **आगतुक–** आगंतुक
मनोरजन– मनोरंजन
प्रारभ– प्रारंभ

5. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए।** 1
फरियाद, मजदूर, खसरा
उत्तर : **फरियाद–** फ़रियाद
मजदूर– मज़दूर
खसरा– ख़सरा

6.
1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1
मासिक, पुरुषत्व, मूर्खता
उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	मास	इक
2.	पुरुष	त्व
3.	मूर्ख	ता

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1
निरादर, चिरायु, भरपेट
उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	निर	आदर
2.	चिर	आयु
3.	भर	पेट

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1
संपूर्णता, अपमानित, उपलब्धता
उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	सम्	पूर्ण	ता
2.	अप	मान	इत
3.	उप	लब्ध	ता

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4

पित्रादेश, प्रत्येक, महेश, सदैव, देहांत

उत्तर : **पित्रादेश–** पित्र + आदेश
प्रत्येक– प्रति + एक
महेश– महा + ईश
सदैव– सदा + एव
देहांत– देह + अंत

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम–चिन्ह का प्रयोग कीजिए। 3

1. हाय यह अभागी अब क्या करेगी
2. वह मनमौजी है अपनी ही धुन में रहता है
3. आइए सर आप हैं हमारे आज के कार्यक्रम के अतिथि
4. दो–दो हाथ हो जायें।

उत्तर :

1. हाय! यह अभागी अब क्या करेगी?
2. वह मनमौजी है, अपनी ही धुन में रहता है।
3. आइए! सर, आप हैं हमारे आज के कार्यक्रम के अतिथि।
4. दो–दो हाथ हो जायें।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. खरबूजे बेचने वाली स्त्री क्यों रो रही थी। 2

उत्तर : खरबूजे बेचने वाली स्त्री इसलिए रो रही थी क्योंकि उसका बेटा भगवाना सांप के डसने से चल बसा था। घर पर बहू और पोता–पोती भूखे थे और मृत्यु के अगले ही दिन उसे खरबूजे बेचने आना पड़ा था।

2. होम को स्वीट होम कहने से लेखक का क्या तात्पर्य है? 2

उत्तर : घर वह स्थान होता है जहां दिनभर की भागदौड़ और काम–काज के बाद सुकून और चैन भरा अनुभव होता है, इसीलिए लेखक ने होम को स्वीट होम कहा है।

3. एवरेस्ट की चोटी पर पहुंच कर लेखिका ने सर्वप्रथम क्या किया? 1

उत्तर : एवरेस्ट की चोटी पर पहुँच कर लेखिका ने अपने घुटनों के बल बैठ कर सर्वप्रथम सागर माथे के ताज का चुम्बन लिया फिर अपने थैले से दुर्गा माँ का चित्र और हनुमान चालीसा निकालकर लाल कपड़े में लपेटकर पूजा अर्चना कर बर्फ में दबा दिया।

9. "पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निश्चित करती है", इस कथन से लेखक का आशय स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : मनुष्य की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बांट देती हैं। प्रायः देखने में आता है कि ये समाज पोशाक से मनुष्य की परिस्थिति का अनुमान लगाता है। पोशाक अगर अच्छी हो तो बंद दरवाजे भी खोल देती है अन्यथा इसके विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। कभी हम निचली श्रेणी की अनुभूति को झुककर समझने का प्रयत्न भी करे तो ये पोशाक और दर्जा बंधन बन जाते हैं और कभी खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुकने से रोक भी देती है।

अथवा

महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था?

उत्तर : बेजोड़ कॉलम, भरपूर चौकसाई, ऊंचे से ऊंचे ब्रिटिश समाचार पत्रों की परंपराओं को अपना कर चलने का गांधी जी का आग्रह और कट्टर से कट्टर विरोधियों के साथ भी पूरी–पूरी सत्यनिष्ठा में से उत्पन्न होने वाली विनय–विवेक युक्त विवाद करने की गांधी जी की ताली मइंस व गुणों में तीव्र मतभेदों और विरोधी प्रचार के बीच भी देश–विदेश के सारे समाचार–पत्रों की दुनिया में और एंग्लो–इंडियन समाचार–पत्रों के बीच भी व्यक्तिगत रूप से महादेव जी को सबका लाड़ला बना दिया था।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. 'रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ो चटकाय' से कवि का क्या अर्थ है? 2

उत्तर : इस पंक्ति से कवि का आशय है कि प्रेम का धागा नहीं टूटने देना चाहिए क्योंकि टूटने पर वो पुनः पहले की भांति नहीं जुड़ता।

2. अग्निपथ कविता से हमें क्या शिक्षा मिलती है? 2

उत्तर : अग्निपथ कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि जीवन चाहे कितना भी संघर्षमय क्यूं न हो, उससे विचलित होकर थमना या रुकना नहीं चाहिए।

3. नए बस्ते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है? 1

उत्तर : समय के साथ इलाके बस्ते रहते हैं और नए–नए मकान बनते रहते हैं यह परिवर्तन होते देख कवि रास्ता भूल जाता है।

11. 'आदमीनामा' कविता के आधार पर बताइए कवि ने आदमी के कितने प्रकारों का उल्लेख किया है? 5

उत्तर : 'आदमीनामा' कविता में कवि ने आदमी की प्रवृतियों व रूपों का उल्लेख किया है। कवि ने आदमी

के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों रूपों का बखान किया है जैसे कोई तो बादशाह है तो कोई मुफलिस यानी गरीब भिखारी। कोई धन दौलत कमा कर जरदार है तो कोई बेनवा। किसी की बहुत इज्जत है तो वो साहिबे–इज्जत और अशरफ। किसी का दर्जा शाह का तो किसी का वजीर का। समाज में अनेक प्रवृतियों वाले मौजूद हैं उन्हीं का उल्लेख कवि ने अपने शब्दों में किया है जैसे नियमत खाने वाला, इमाम (नमाज पढ़ने वाला) खुतबाख्वां (कुरान शरीफ का अर्थ बताने वाला), सभी पर अपनी जान वारने वाला तथा बेइज्जती कर पगड़ी उतारने वाला भी आदमी ही है।

अथवा

"अब कैसे छूटे राम नाम रट लागी"।

प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग–अंग बास समानी।

प्रभु जी, तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवन चंद चकोरा।

प्रभु जी, तुम दीपक हम बाती, जाकी जोती बरे दिन राती।

प्रभु जी, तुम मोती हम धागा, जैसे सोनाहिं मिलत सुहागा।

प्रभु जी, तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करे रैदासा।''

पद में भगवान और भक्त की किन–किन चीजों से तुलना की गई है?

उत्तर : इस पद में कवि ने कहा है कि अब राम नाम की रट छूटना मुश्किल है। कवि प्रभु राम जी के लिए भक्ति भाव से अनेक चीजों से उनकी और अपनी तुलना करते हैं। जैसे कहते हैं, मेरे प्रभु चंदन हैं तो मैं पानी हूँ और चंदन की गंध मेरे अंग–अंग समा जाए। यदि आप बादल हो तो मैं मोर, जैसे चकोर चांद को देखते ही नाच उठता है वैसे ही प्रभु जी भी बादल हैं उनको देखते ही मोर भी अपने पंख पसार नाचने लगता है।

12. दृढ़संकल्प से दुविधा की बेड़ियां कट जाती हैं– का आशय स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर : जब लेखक ने कुएं में घुसकर चिट्ठिया निकालने का निश्चय किया तब मानों लेखक ने दृढ़ संकल्प कर लिया था कि अब इस परेशानी से निजात पाना ही है। ऐसा ही अन्य परिस्थितियों में होता है यदि हम ठान लें कि किसी भी कठिनाई का समाधान निकालना ही है तो सफलता निश्चित ही हाथ आती है। इसमें लेखक की मूर्खता कहो बुद्धिमानी वह चिट्ठिया निकालने के लिए विषधर से लड़ने को आमादा था। ऐसे ही यदि हम अपने लक्ष्य को साधने के लिए दृढ़ संकल्प लें तो कोई भी उसे पाने से रोक नहीं सकता। चाहे कितनी भी परेशानियां आए हमे अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होना चाहिए।

अथवा

'दिये जल उठे' पाठ के आधार पर गांधी जी की धर्म यात्रा का वर्णन कीजिए।

उत्तर : गांधीजी पटेल जी की गिरफ्तारी के बाद क्षुब्ध थे। उन्होंने दांडी कूच के अभियान की तारीख बदलने का फैसला लिया। जब गांधीजी रास पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत हुआ। वहाँ उन्होंने दरबार लोगों से त्याग और हिम्मत सीखने की बात कही। गांधी जी ने दांडी कूच प्रारंभ होने से पहले ही निश्चय कर लिया था कि वह अपनी यात्रा ब्रिटिश आधिपत्य वाले भूभाग से ही करेंगे। गांधीजी ने रास में सत्याग्रह की बात पर जोर दिया और कहा राजद्रोह होना ही मेरा धर्म है इसके लिए मुझे कोई भी सजा मंजूर होगी। रास से कनकपुरा पहुंचने पर गांधी जी ने कहा ''मैं स्वराज लिए बिना नहीं लौटूंगा''। यात्रा के मार्ग में रेतीली सड़कों के कारण गांधी जी के सामने ये प्रस्ताव रखा गया कि वह थोड़ी यात्रा कार से कर लें पर उन्होंने इंकार करते हुए कहा कि यह उनके जीवन की आखिरी यात्रा है इस पर चलने वाला वाहन का प्रयोग नहीं करता। धर्मयात्रा में हवाई जहाज, मोटर, बैलगाड़ी में बैठकर जाने वाले को लाभ नहीं मिलता। यात्रा में कष्ट सहकर, लोगों का सुख–दुख बांटकर ही सच्ची यात्रा तय की जाती है। यह धर्म यात्रा है इसलिए चलकर ही पूरी करूंगा।

13. हामिद लेखक की बातों पर विश्वास क्यों नहीं कर पा रहा था? 2

उत्तर : हामिद लेखक की बातों पर इसलिए विश्वास नहीं कर पा रहा था क्योंकि उसके अनुसार हिन्दू और मुसलमानों के बीच संबंध मधुर नहीं थे। वो यह जानता था कि हिन्दू मुसलमानों के बनाए खाने को नहीं खाएंगे।

जब लेखक ने हामिद को खाना परोसने के लिए कहा तो हामिद को विश्वास नहीं हुआ। जब लेखक ने बताया कि बिना किसी व्यर्थ की सोच के उसके शहर में हिन्दू मुसलमानी होटल में चाय, पुलाव खाने जाते हैं तथा उनके बीच दंगे भी न के बराबर हैं। ये सब तो जैसे हामिद के विश्वास करने के परे था।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **समय सारणी का महत्त्व।**

• आशय • कैसे बनाए समय सारणी • लाभ • अनुशासन और सारणी का संबंध

2. **प्रदूषण का जलवायु पर प्रभाव।**
   • प्रदूषण और जलवायु का संबंध • प्रभाव • रोकथाम • निष्कर्ष
3. **भोजन और मिलावट**
   • पौष्टिक आहार • मिलावट बनाम जहर • स्वास्थ्य पर प्रभाव

उत्तर :

1. समय सारणी का महत्त्व

समय मूल्यवान है। हमारे जीवन का एक–एक क्षण अनमोल है, हमें अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। समय सारणी का प्रयोग समय को नियोजित करने में सहायक है। महत्त्वपूर्ण कार्यों के सुचारू रूप से संचालन हेतु कार्यों को समय निर्धारित करते हुए सूची बनाना, जिसमें दैनिक कार्य भी सम्मिलित हों। वह समय सारणी कहलाती है। कौन–सा कार्य किस समय पर तथा कितने समय में करना है? ये तय करना ही समय सारणी बनाना है। दिनचर्या को नियोजित करने से समय की बचत तो होती ही है साथ–साथ लक्ष्य प्राप्त करने की राह भी सुगम हो जाती है। सारणी बनाने के लिए सर्वप्रथम प्रातः उठने से लेकर रात्रि सोने तक के कार्यों कि सूची तैयार करनी होगी। तत्पश्चात् महत्त्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देते हुए समय निर्धारित करना होगा। सारणी में बीच–बीच में व्यक्तिगत कार्यों, भोजन, व्यायाम आदि कार्यों को भी उचित समय नियोजित करना चाहिए। प्रत्येक विषय को पूरा समय देते हुए सूचीबद्ध करें। इससे समय व ऊर्जा का सदुपयोग होता है तथा आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। जब हम स्वयं को सारणी के अनुरूप ढालने का प्रयास करते हैं तो प्रारंभ में कठिनाई आना स्वाभाविक है पर इसका परिणाम दूरगामी है और हमें अपने कार्य समय पर भलीभांति होते प्रतीत होंगे। जीवन में अनुशासन बहुत आवश्यक है। अनुशासित रूप से कार्य करने से किए गए प्रयत्न सही दिशा में होते हैं जिसके फलस्वरूप सफलता निश्चित है।

2. प्रदूषण का जलवायु पर प्रभाव

प्रदूषण और जलवायु में परस्पर संबंध है। ज्यों–ज्यों प्रदूषण बढता है त्यों–त्यों उसका प्रभाव जलवायु पर देखने को मिलता है। परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन देखने को मिलता है। पर्यावरण से सम्बद्ध होने के कारण जलवायु परिवर्तन किसी एक देश का संकट न होकर पूरे विश्व का संकट है। जलवायु परिवर्तन इस समय एक गंभीर समस्या के रूप में सामने आया है जिससे निपटना मानवता एवं सभ्यता के लिए अनिवार्य होता जा रहा है। प्रदूषण की वजह से धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है और पृथ्वी की जलवायुविक दशाओं में नकारात्मक परिवर्तन प्रारंभ हो चुके हैं। जलवायु परिवर्तन के लिए उत्तरदायी कारणों में प्रमुख कारण उत्सर्जित कार्बन–डाइ–ऑक्साइड की मात्रा में वृद्धि होना है। वनों की कटाई से पिछले कुछ दशकों से वायुमंडल में कार्बन–डाइ–ऑक्साइड की मात्रा लगातार बढती जा रही है। उद्योगों की चिमनियों, फैक्टरियों और वाहनों से निकलने वाला धुआँ तथा घरों, दफ्तरों आदि में विविध उपकरणों से निकलने वाली गर्म वाष्प आदि प्रतिदिन हमारे वातावरण में पर्याप्त गर्मी छोड़ती है। इसी वजह से धरती का तापमान बढ़ रहा है और जलवायु में विनाशकारी परिवर्तन मानवता की चौखट पर दस्तक दे रहा है। इसीलिए जल्द से जल्द प्रदूषण को रोकना होगा जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या से निजात पाया जा सके।

3. भोजन और मिलावट

भोजन हमारी मूलभूत आवश्यकता है, जो कि हमारे शारीरिक विकास, रोगों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता तथा शरीर में स्फूर्ति और ऊर्जा का स्रोत है। ये तभी संभव है जब हम हमेशा संतुलित भोजन करें। संतुलित आहार वो होता है जिससे हमारे शरीर को सभी पोषक तत्व जैसे– प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन आदि की पर्याप्त मात्रा मिले जैसे–अनाज, फल, सब्जियाँ, दालें, दूग्ध व दूग्ध के उत्पाद, अंडा इत्यादि। उम्र, शरीर की संरचना, कार्य स्तर, दैनिक गतिविधियों व लिंग के अनुसार सबको निश्चित आहार लेना चाहिए, जिससे शरीर तथा दिमाग का समयानुसार सही विकास हो पाए। किसी खाद्य सामग्री में कोई अवयव इस तरह संशोधित किया हो या उसे किसी अनुचित प्रकार से संग्रहित किया जाए, जिससे उसकी मूल संरचना, प्रकार, गुणवता के स्तर में कमी आ जाए और परिणामस्वरूप स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े, इसे ही मिलावट कहते हैं। कम लागत और कम समय में अधिक धन अर्जित करने हेतु कई व्यापारी ये मिलावट का गलत कार्य करते हैं जो कि कई बार जानलेवा साबित होता है। खाद्य पदार्थों की जाँच हेतु भारत सरकार द्वारा 4 केंद्रीय प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं। खाद्य अपमिश्रण, अधिनियम के अंतर्गत किसी भी व्यापारी को दोषी पाए जाने पर 6 महीने से लेकर 3 वर्ष तक का कारावास तथा मानदंड का भी प्रावधान है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार करना आवश्यक है। सस्ते व मिलावट वाले भोजन अनेक शारीरिक विकारों का कारण बनते हैं जैसे पेट संबंधी रोग, यकृत खराब होना, स्किन संबंधी समस्याएँ इत्यादि। एक पौष्टिक भोजन का नियम न केवल अच्छे स्वास्थ्य का सूचक है साथ–साथ वजन बनाए रखने, थकान व

अनिद्रा को दूर करने, रोगों से सुरक्षा प्रदान करने आदि में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

15. अपने मित्र को मोबाइल फोन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में अवगत करवाते हुए पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

98, महेन्द्र नगर
दिल्ली
9 जुलाई, 2019
प्रिय मित्र विशाल

आशा है तुम सकुशल होंगे। तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हें मोबाइल फोन उपहार में मिला है। मोबाइल फोन आज हमारी जरूरत बन गया है। मित्र में उस से जुड़ी कुछ महत्त्वपूर्ण बातें तुमसे साझा करना चाहता हूँ क्योंकि तकनीक का उपयोग अगर सही तरह से किया जाए तो अच्छा है अन्यथा इससे अनेक व्याधियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। आपातकाल में मोबाइल फोन बहुत काम आता है किन्तु इससे उत्पन्न किरणें हमारे स्वास्थ्य व दिमाग के लिए हानिकारक हैं। मित्र स्मार्ट फोन में ज्यादा समय ना व्यतीत करके अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना।

मुझे विश्वास है कि तुम मेरी सलाह मानोगे। मोबाइल फोन का जरूरत पड़ने पर ही इस्तेमाल करोगे।
तुम्हारा मित्र,
अर्पित

अथवा

हॉस्टल में रहने वाले बड़े भाई को विद्यालय के वार्षिकोत्सव के बारे में बताते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर :

यूथ हॉस्टल
आगरा
25 सितम्बर, 2019
प्रिय भैया,
सप्रेम नमस्कार,

हम सब यहाँ कुशलतापूर्वक हैं और आपकी कुशलक्षेम के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। भैया आपको यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता होगी कि हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव पिछले सप्ताह संपन्न हुआ और उसमें एक विशेष नाट्य प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें मैंने भी हिस्सा लिया और मेरे नाट्य को बहुत सराहा गया।

मेरी प्रस्तुति को सर्वश्रेष्ठ अभिनय का पुरस्कार मिला। भैया यह पुरस्कार मुझे शिक्षा मंत्री द्वारा मिला जो कि मेरे लिए बहुत खुशी का पल था। यह सब आपके स्नेह और आशीर्वाद का नतीजा है। मेरी उपलब्धि के समय माताजी, पिताजी सब उपस्थित थे बस आपकी उपस्थिति प्रेषित थी।

आशा करता हूँ आप जल्द ही समय निकालकर मेरी सराहना करने जरूर आएंगे।
आपके आगमन की प्रतीक्षा में,
आपका स्नेहाभिलाषी,
प्रियांक

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : प्रस्तुत चित्र में रामलीला का अभिनय करने जा रहे छात्रों की रूप–सज्जा होते दिखाया जा रहा है। इस चित्र में रामलीला के प्रमुख पात्र, हनुमान और सीता हैं। रूप सज्जा करने वाला व्यक्ति राम के केश सँवार रहा है। एक लड़का बड़े मनोयोग से राम और रूप सज्जा करने वाले व्यक्ति को पंखा झल रहा है। राम आईने के सामने बैठे हैं, पीछे गदा लिए हनुमान खड़े हैं। सीता अलग खड़ी दर्पण में अपना रूप निहार रही हैं। प्रत्येक पात्र अपनी वेशभूषा व रूप सौन्दर्य के प्रति सजग हैं। पात्रों को सजाया गया है जिससे नाटक सजीव लगे।

अथवा

उत्तर : यह चित्र वर्षा ऋतु का है। बच्चे बारिश का आनंद ले रहे हैं। चिलचिलाती धूप में बारिश की बूंदें खुशियों की बहार लेकर आती है। बच्चे तो जैसे बारिश

का इंतजार करते हैं। हर तरफ हरियाली, खिले फूल देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। बच्चे तो कागज की नाव बनाकर भी चला रहे हैं। रंग बिरंगे रेनकोट, छतरी पहन कर सभी बारिश की बूंदों से खेल रहे हैं। कभी बारिश के बाद जब इंद्रधनुष बनता है तब बच्चों कि खुशी देखते ही बनती है।

17. अपनी माँ से पुस्तक मेले जाने की आज्ञा लेने की बातचीत को अपने शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

पुत्र– माँ, क्या मैं अपने मित्रों के साथ पुस्तक मेला देखने जा सकता हूँ?

माँ– पहले अपने विद्यालय का गृह कार्य कर लो फिर चले जाना।

पुत्र– माँ, आज मैंने अपना गृह कार्य पूरा कर लिया।

माँ– अच्छा कहाँ लगा है ये पुस्तक मेला?

पुत्र– माँ, मेरा दोस्त है ना क्षितिज उसके घर के पास।

माँ– अच्छा! और कौन–कौन जाएगा तुम्हारे साथ?

पुत्र– माँ, हम 4 दोस्त हैं–श्याम, सुनील, कुलदीप और मैं।

माँ– तुम कौन–सी पुस्तक लाओगे?

पुत्र– मैं कम्प्यूटर की पुस्तक लाऊंगा।

माँ– ठीक है जाओ। ये लो रूपए। संभाल कर जाना और जल्दी आना।

पुत्र– धन्यवाद माँ, मैं जल्दी ही आ जाऊंगा।

अथवा

सामाजिक कुरीतियों पर अध्यापक और अपनी कक्षा के छात्रों के बीच होने वाले संवाद को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

अध्यापक– बच्चों, वर्तमान समय में हमारे समाज को अनेक कुरीतियों ने घेर लिया है।

छात्र– जी, मेरे दादा जी बताते हैं। पहले का समय छलकपट रहित था।

अध्यापक– सही कहा! आज हम सब सामाजिक कुरीतियों के बारे में पढ़ेंगे। आप सब भी अपने विचार रखिए।

छात्र– मेरे पिताजी कहते हैं कि कुछ लोगों की वजह से समाज दूषित हो रहा है।

अध्यापक– बिल्कुल सही। यहाँ भिन्न–भिन्न जाति व संप्रदाय के लोग एक–जुट होकर रहते हैं। पहले जैसी एकता अब देखने को नहीं मिलती।

छात्र– कुछ लोगों की वजह से ही धर्म नाम पर दंगे होते हैं।

अध्यापक– सही कहा बच्चो। भ्रष्टाचार भी बहुत बड़ी समस्या है। भ्रष्टाचार फैलने के क्या कारण हैं।

छात्र– कालाधन, चोरबाजारी

अध्यापक– बढ़ती महंगाई की मार भी कारण है भ्रष्टाचार का।

छात्र– भाई–भतीजावाद

अध्यापक– शाबाश बच्चो! बहुत अच्छे, तो आज हम सब इन सामाजिक कुरीतियों को जड़ से मिटाने और अपने समाज को पहले जैसा बनाने का प्रण लेते हैं।

छात्र– जी, अध्यापक जी।

18. किसी ट्रैक्टर बनाने वाली कंपनी के लिए आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

मौसी ट्रैक्टर्स

नववर्ष के उपलक्ष्य में 20% की छूट

ट्रैक्टर का उपयोग

★ *बनाए खेती को आसान*

★ *बेहतरीन इंजन। बेजोड़ शक्ति*

पेट्रोल व डीजल दोनों में उपलब्ध

जल्दी कीजिए कहीं ये मौका छूट ना जाए

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :

7709111409

अथवा

समाचार पत्र में अनुवादक की आवश्यकता हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

दैनिक भास्कर : समाचार पत्र

आवश्यकता

अनुवादक/प्रूफ रीडर

बायोडाटा के साथ मिलें

पार्ट टाइम व फुल टाइम

दिनांक– 10 नवम्बर, 2019

समय– बुधवार 11 बजे

सम्पर्क

संपादक

दैनिक भास्कर नेहरु मार्ग,

मालवीय नगर

जयपुर

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online